Chapter- 9

# सप्तभगिन्य:

**STUDY NOTES**

## MIND MAP

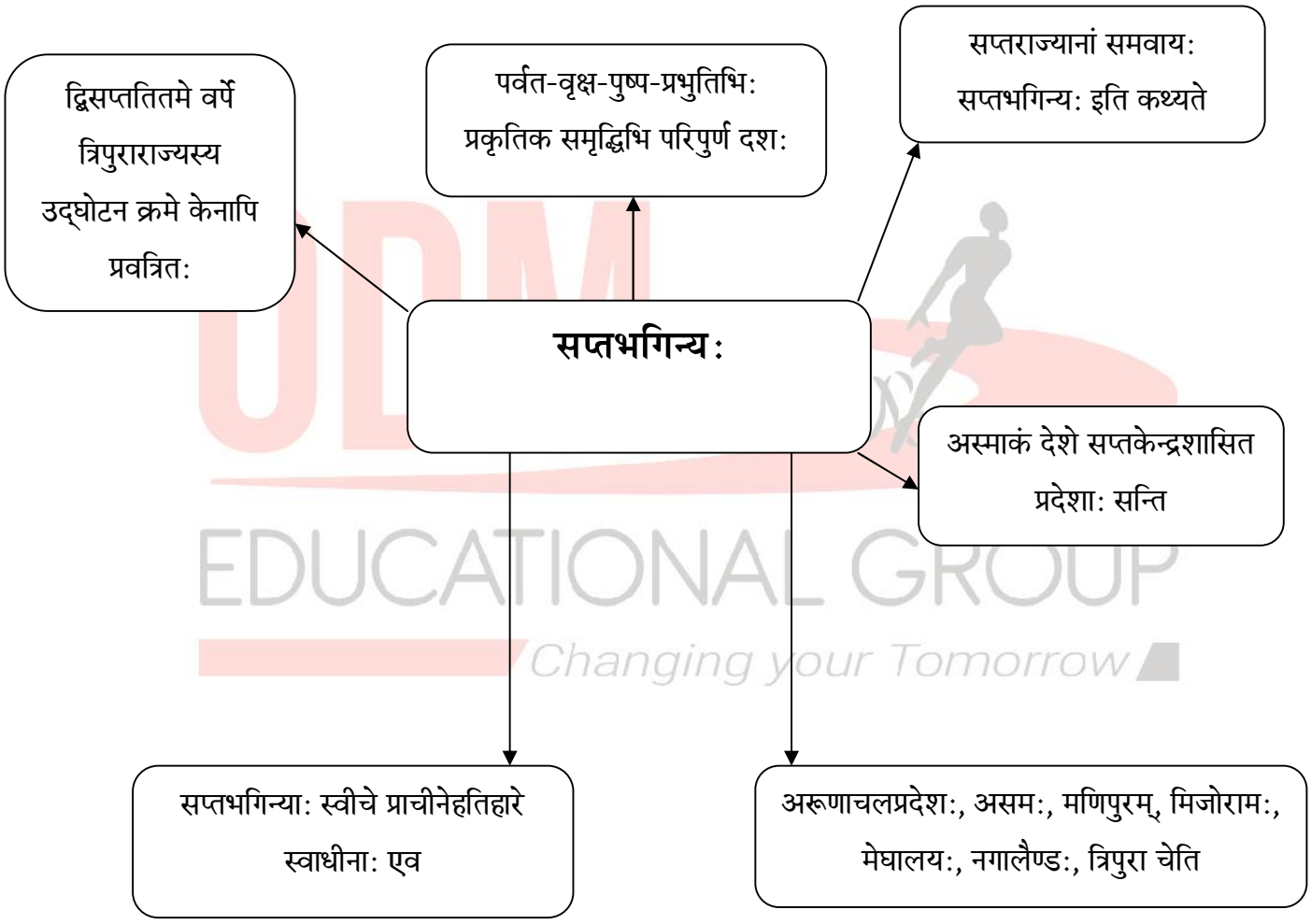


ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

**अद्वयं मत्रयं चैव न-त्रि-युक्तं तथा द्वयम्।**
**सप्तराज्यसमूहोऽयं भगिनीसप्तकं मतम्॥**

यह राज्यों के नामों को याद रखने का एक सरल तरीका है। इसका अर्थ है अ से आरम्भ होने वाले दो, म से आरम्भ होने वाले तीन, न से नगालैण्ड और त्रि से त्रिपुरा का बोध होता है। इसी प्रकार अठारह पुराणों के नाम याद रखने के लिये यह श्लोक प्रसिद्ध है-

**मद्वयं भद्वयं चैव ब्रत्रयं वचतुष्टयम्।**
**अ-ना-प-लिंग-कूस्कानि पुराणानि प्रचक्षते॥**

'सप्तभगिनी' इस उपनाम का सर्वप्रथम प्रयोग 1972 में श्री ज्योति प्रसाद सैकिया ने आकाशवाणी के साथ भेंटवार्ता के क्रम में किया था।

इनके अन्तर्गत आने वाले राज्यों का उल्लेख प्राचीन ग्रन्थों में भी प्राप्त होता है यथा-महाभारत, रामायण, पुराण आदि।

इन राज्यों की राजधानी क्रमशः इस प्रकार है-

| | | |
|---|---|---|
| अरुणाचल प्रदेश | – | ईटानगर |
| असम | – | दिसपुर |
| मणिपुर | – | इम्फाल |
| मिजोरम | – | ऐजोल |
| मेघालय | – | शिलाङ्ग |
| नगालैण्ड | – | कोहिमा |
| त्रिपुरा | – | अगरतल्ला |

- बिहू, मणिपुरी, नानक्रम आदि इस प्रदेश के प्रमुख नृत्य हैं।
- नगा, मिजो, खासी, असमी, बांग्ला, पदम, बोडो, गारो, जयन्तिया आदि यहाँ व प्रमुख भाषाएँ हैं।

सप्तसंख्या पर कुछ अन्य प्रचलित नाम हैं-

**सप्तसिन्धु** –'सप्तभगिनी' के समान सप्तसिन्धु भी हैं। ये सप्तसिन्धु हैं-सिन्धु, शुद्र (सतलज), इरावती (इरावदी), वितस्ता (झेलम), विपाशा (व्यास), असिक्नी (चिनाब और सरस्वती।

**सप्तपर्वत** – महेन्द्र, मलय, हिमवान्, अर्बुद, विन्ध्य, सह्याद्रि, श्रीशैल।

**सप्तर्षि** – मरीचि, पुलस्त्य, अंगिरा, क्रतु, अत्रि, पुलह, वसिष्ठ।

UDM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow